जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 03 जून 2020

जामिया और सिक्किम विश्वविद्यालय ने पूर्वोत्तर में शहरीकरण पर संयुक्त रूप से एक किताब निकाली

जामिया मिल्लिया इस्लामिया और सिक्किम विश्वविद्यालय ने 'अंडरस्टैडिंग अर्बनलाइजेशन इन नार्थईस्ट इंडियाः इश्यू एंड चैलेंजेस' नामक एक पुस्तक निकाली है।

इस किताब को रूटलेज़ (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), ऑक्सन न्यूयार्क ने इस साल प्रकाशित किया है। इसे जामिया के सेंटर फार नॉर्थ ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च (सीएनईएसपीआर) के प्रो अमरजीत सिंह और सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक के अर्थशास्त विभाग के डॉ कोमोल सिंघा ने संयुक्त रूप से संपादित किया है।

पुस्तक में मूल रूप से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में शहरीकरण की प्रकृति और पैटर्न का अध्ययन करते हुए, इसका वहां के पर्यावरण, बुनियादी ढांचे और क्षेत्र की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर हुए प्रभाव की समीक्षा की गई है।

चैदह निबंधों वाली इस पुस्तक में मुख्य रूप से सीमांत शहरीवाद, शहरी आबादी, स्मार्ट सिटी, स्थानीय वास्तुकला, स्ट्रीट वेंडिंग और शहरी जल और वेस्ट मैनेजमेंट के मुद्दों का विश्लेषण किया गया है।

यह पुस्तक, नवंबर 2018 में सिक्किम विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग और जामिया के सीएनईएसपीआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक संगोष्ठी का परिणाम है। संगोष्ठी का आयोजन भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से किया गया था, जिसमे शिक्षकों, शहर के योजनाकारों और छात्रों ने हिस्सा लिया था।

संकलन के संपादकों को पूरी उम्मीद है कि यह पुस्तक न केवल पहाड़ी क्षेत्र में शहरीकरण की प्रवृत्ति और पैटर्न को समझने में मदद करेगी, बल्कि भारत के शहरी मुद्दों और ख़ासकर, पूर्वोत्तर क्षेत्रों के शहरी मुद्दों को समझने और उनका समाधान करने में भी मददगार साबित होगी।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक